न्यूज डायरी

क्या चीन में पैदा हुआ कोरोना? पता लगाने जाएगी डब्ल्यूएचओ की टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। दुनियाभर में 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना शिकार बनाने वाले कोरोना वायरस की उत्पत्ति संबंधी जांच के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन जल्द ही अपनी एक टीम चीन भेजेगा। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल सका है कि इस टीम में कौन–कौन शामिल होगा और इस जांच का मकसद क्या होगा। चीन शुरू से ही करोना के उत्पत्ति संबंधी जांच से इनकार करता रहा है। कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर दुनिया में बुरी तरह घिरे चीन ने दबाव में आकर भले ही जांच टीम को आने की अनुमति दे दी है। लेकिन, यह देखना बाकी होगा कि क्या चीन में इस जांच टीम को जिनपिंग प्रशासन का पूरा सहयोग मिलता है कि नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन शुरू से ही कहता रहा है कि चीन उसकी जांच टीम को बुलाए जिससे यह पता चल सकेगा कि इस वायरस का एनिमल सोर्स है या नहीं।

अमेरिका ने दिया चीन को बड़ा झटका, रक्षा उपकरणों के निर्यात पर लगाया बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। भारत के बाद 59 चीनी ऐप पर बैन लगाने के बाद अब अमेरिका ने भी चीन को तगड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने चीन के हॉन्ग कॉन्ग को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लाए जाने की घोषणा के बाद अब अमेरिकी मूल अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने मंगलवार को इन प्रतिबंधों का ऐलान किया। पोम्पियो ने ट्वीट कर कहा, आज अमेरिका हॉन्ग कॉन्ग को रक्षा उपकरण और दोहरे इस्तेमाल में आने वाली संवेदनशील तकनीकों के निर्यात पर बैन लगाने जा रहा है। यदि पेइचिंग हॉन्ग कॉन्ग को एक देश, एक प्रणाली समझता है तो हमें भी निश्चित रूप से समझना होगा। इससे पहले प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भी अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीन पर जमकर हमला बोला था। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के हॉन्ग कॉन्ग की स्वतंत्रता को खत्म करने के फैसले ने ट्रंप प्रशासन को हॉन्ग कॉन्ग को लेकर अपनी नीतियों को फिर मूल्यांकन करने का मौका दिया है।

अमेरिका में अमेजन के गोदाम में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जैकसनविले। फ्लोरिडा में अमेजन के एक गोदाम में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। जैकसनविले शेरिफ कार्यालय के सहायक प्रमुख ब्रायन की ने बताया कि अमेजन गोदाम के बाहर लाइन में खड़े 20 वर्षीय एक व्यक्ति की सोमवार को गोलीबारी में मौत हो गई। वह वहां नौकरी के लिए आवेदन देने आया था। की ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे दो लोग एक कार से बाहर निकले और उन्होंने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। गोलीबारी करने के बाद वे वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि वहां खड़े दो लोगों को गोली हल्की सी छूकर निकल गई, लेकिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जरूरत नहीं पड़ी। की ने कहा, ''गोलीबारी विशेष रूप से पीड़ित को निशाना बनाकर की गई थी।'' पीड़ितों की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है और गोलीबारी के कारण का भी अभी पता नहीं चल पाया है।

पाबंदियों के साथ दक्षिण कोरिया में होगी बेसबॉल के दर्शकों की स्टेडियमों में वापसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया की पेशेवर बेसबॉल लीग ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बीच आने वाले समय में मैचों के दौरान दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश दिया जा सकता है लेकिन उन्हें मास्क पहनने होंगे और कम से कम एक सीट छोड़कर बैठना होगा। कोरियाई बेसबॉल संगठन ने मंगलवार को कहा कि दर्शकों को दीर्घाओं में खाने की अनुमति नहीं होगी। टीमों को पहले कुल सीटों का 30 प्रतिशत टिकट बेचने की ही अनुमति दी जायेगी जिसे बाद में बढाकर 50 प्रतिशत किया जा सकता है। दर्शकों के तापमान की जांच होगी और मैच के दौरान ना तो वह चिल्ला सकेंगे और ना ही गा सकेंगे। बीयर की बोतलें भी नहीं लाई जा सकेंगी और सिर्फ पानी या अल्कोहलरहित पेय ही ले सकेंगे। टिकट कार्ड के मार्फत ही खरीदे जा सकेंगे।

चीन की चाल, चुपके से बैन की भारतीय न्यूज वेबसाइट्स

चाल

चीन सरकार के न्यूज वेबसाइट्स पर भारत में कोई रोक नहीं

■एक दिन पहले ही भारत ने 59 चीनी ऐप्स को किया बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख में जारी तनाव को लेकर भारतीय मीडिया से खार खाए चीन ने भारतीय न्यूज वेबसाइट्स को ब्लॉक कर दिया है। चीन में इन वेबसाइट्स को अब ओपन नहीं किया जा सकेगा। जबकि, चीन सरकार के न्यूजपेपर वेबसाइट्स अब भी भारत में आसानी से काम कर रहे हैं। बता दें कि हाल में ही डेटा सिक्योरिटी का हवाला देते हुए भारत सरकार ने 59 चीनी ऐप्स को बैन कर दिया है।

दो दिन पहले किया खेलः बीजिंग में राजनयिक सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीवी चौनलों को अब केवल आईपी टीवी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। चीन में एक्सप्रेस वीपीएन पर पिछले दो दिनों से आईफोन और डेस्कटॉप पर भारतीय वेबसाइट्स काम नहीं कर रहे हैं। वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) एक शक्तिशाली टूल है, जो पब्लिक इंटरनेट कनेक्शन से प्राइवेट नेटवर्क बनाकर उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन एक्सेस देता है।

चीन को पोल खुलने का डरः अपने दमनकारी सेंसरशिप के लिए बदनाम चीन को डर है कि भारतीय मीडिया के जरिए वहां के लोगों को सही जानकारी मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चीन में जितने भी मीडिया हाउस हैं वे सभी सरकारी स्वामित्व वाले हैं और बिना कम्युनिस्ट पार्टी की मंजूरी के वे कुछ भी नहीं लिख सकते। इसी डर से चीन ने भारतीय न्यूज वेबसाइट्स को ब्लॉक कर दिया है।

सोमवार को भारत सरकार ने यूसी ब्राउजर और टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप्स को डेटा सिक्योरिटी के कारण बैन कर दिया। इनके सर्वर दूसरे देश में है और आशंका जताई जा रही थी कि ये ऐप भारतीय नागरिकों का डेटा विदेशी सरकार को दे रहे हैं। जिससे देश की सुरक्षा को खतर हो सकता है।

चीन को ऐसे शॉक देने की तैयारी में भारतः चीनी ऐप्स पर बैन लगाना तो महज एक शुरुआत है, भारत ने चीन के होश फाख्ता करने के लिए पूरा प्लान तैयार कर लिया है। आने वाले दिनों में कुछ ऐसे फैसले हो सकते हैं जो ड्रैगन को फूटी आंख नहीं सुहाएंगे। भारत ने सरकारी टेलिकॉम कंपनियों से चीनी इक्विपमेंट्स न यूज करने को कहा है। वहीं 5जी को लकेर लेकर भी फैसला जल्द होने वाला है।

चीनी इक्विपमेंट्स पर लगाया जा सकता है बैनः भारत में 5जी नेटवर्क के लिए चीनी कंपनियों के इक्विपमेंट्स यूज करने पर बैन लगाया जा सकता है। इसके अलावा, कारोबार के लिहाज से चीनी उत्पादों के इम्पोर्ट को कम करने के लिए भी नियम तैयार किए जा रहे हैं। इस बारे में सोमवार को टॉप मिनिस्टर्स की उस मीटिंग में भी चर्चा हुई जिसमें 59 चीनी ऐप्स बंद करने पर फैसला लिया गया।

हॉन्ग कॉन्ग के विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को चीन ने दी मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हॉन्ग कॉन्ग। चीन के शीर्ष विधायी निकाय नेशनल पीपुल्स कांग्रेस स्टैंडिंग कमेटी ने मंगलवार को सर्वसम्मति से हॉन्ग कॉन्ग के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित किया है। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने, विदेशी ताकतों के साथ अलगाव, तोड़फोड़, आतंकवाद के दोषी व्यक्ति को अधिकतम उम्रकैद की सजा सुनाई जा सकती है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस स्टैंडिंग कमेटी के 162 सदस्यों ने कानून को पेश किए जाने के 15 मिनट के अंदर सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी। हॉन्ग कॉन्ग में यह कानून 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएगा। हॉन्ग कॉन्ग में अपना ऑफिस खोलेंगी चीनी सुरक्षा एजेंसियां हॉन्ग कॉन्ग स्थित अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन के नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को हॉन्ग कॉन्ग की कानून व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। इस नए कानून से चीन की सुरक्षा एजेंसियों को पहली बार हॉन्ग कॉन्ग में अपने प्रतिष्ठान खोलने की अनुमति मिल जाएगी।

बहरहाल हॉन्ग कॉन्ग बॉर एसोशिएसन ने कहा कि चीन का प्रस्तावित नया सुरक्षा कानून अदालतों में दिक्कतों में फंस सकता है क्योंकि बीजिंग के पास अपने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को पूर्व ब्रिटिश कॉलोनी के लिए लागू करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

6 राफेल जेट फ्रांस के बोर्डोक्स से भारत उड़कर ही आएंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन से तनाव के बीच 27 जुलाई को 6 राफेल विमानों की पहली खेप भारत पहुंच जाएगी। दुनिया की सबसे घातक मिसाइलों और सेमी स्टील्थ तकनीक से लैस इन विमानों के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से देश की सामरिक शक्ति में जबरदस्त इजाफा होगा। कहा जा रहा है कि भारत आने वाले राफेल फाइटर जेट्स में दुनिया की सबसे ऑधुनिक हवा से हवा में मार करने वाली मीटिअर मिसाइल भी लगी होगी। 6 राफेल जेट फ्रांस के बोर्डोक्स से भारत उड़कर ही आएंगे। भारतीय वायुसेना ने इसके लिए पूरी योजना तैयार कर ली है क्योंकि रास्ते में ये फाइटर जेट कई देशों की सीमाओं से होकर भारत के जामनगर पहुंचेंगे। राफेल विमान फ्रांस से भारत तक का सफर पूरा करने के दौरान लगभग 1000 किमी प्रतिघंटे की गति से उड़ान भरेंगे।

चीन में पैदा हुआ नया वायरस इंसानों के लिए कितना खतरनाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चीन। कोरोना वायरस महामारी से दुनिया अभी उबरी नहीं कि चीन में मिले नए वायरस से लोगों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि इस वायरस से महामारी फैलने की संभावना ज्यादा है। फ्लू की वर्तमान वैक्सीन इस वायरस के खिलाफ मानव शरीर की रक्षा करने में सक्षम नहीं है। सूअरों में मिला यह वायरस इंसानों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है।

इस वायरस को G4 EA H1N1 नाम दिया गया है। शोधकर्ताओं को डर सता रहा है कि यह वायरस और ज्यादा म्यूटेट होकर आसानी से एक इंसान से दूसरे

नया वाइरस भी इंसानों को संक्रमित करने की रखता है क्षमता

इंसान में फैल सकता है। दुनिया के लिए चिंताजनक खबर यह है कि इंफ्लुएंजा की यह नई नस्ल उन शीर्ष बीमारियों में शामिल है जिस पर विशेषज्ञ अपनी नजर बनाए हुए हैं। वह भी तब जब दुनिया कोरोना वायरस के खात्मे के लिए जूझ रही है।

कितना खतरनाक है यह वायरस G4 EA H1N1 वायरस पूरी दुनिया में महामारी का खतरा उत्पन्न कर सकता है। चीनी वैज्ञानिकों ने बताया कि इस फ्लू वायरस में वे सभी लक्षण मौजूद हैं जिससे यह इंसानों को संक्रमित कर सकता है। इस वायरस की करीब से निगरानी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह वायरस नया है, इसलिए लोगों में या तो बहुत कम रोग प्रतिरोधक क्षमता होगी या होगी ही नहीं।

क्या दुनिया पर दूसरी महामारी का खतरा हैः कोरोना वायरस से पहले दुनिया में अंतिम बार फ्लू महामारी वर्ष 2009 में आई थी और उस समय इसे स्वाइन फ्लू कहा गया था। मेक्सिको से शुरू हुआ यह स्वाइन फ्लू उतना घातक नहीं था जितना कि अनुमान लगाया गया था। इस बार कोरोना वायरस के कारण 1 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। ऐसी स्थिति में अगर नया वायरस फैलता है तो इसे रोकना बहुत मुश्किल होगा। इस नए वायरस G4 EA H1N1 के अंदर अपनी कोशिकाओं को कई गुना बढ़ाने की क्षमता है।

चीन ने अब भूटान की नई जमीन पर किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) थिंपू। साउथ चाइना सी से लेकर लद्दाख तक दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन ने अब भूटान की एक नई जमीन पर अपना दावा ठोका है। चीन ने ग्लोबल इन्वायरमेंट फसिलिटी काउंसिल की 58वीं बैठक में भूटान के सकतेंग वन्यजीव अभयारण्य की जमीन को विवादित बताया। साथ ही इस परियोजना को होने वाली फंडिंग का विरोध करने का प्रयास किया। भूटान ने चीन के इस कदम का कड़ा विरोध किया और जमीन को अपना अभिन्न अंग बताया। चीन के दावे के उलट वास्तविकता यह है कि पिछले वर्षों में अभ्यारण्य की जमीन को लेकर कभी विवाद नहीं रहा था। हालांकि भूटान और चीन के बीच अभी सीमाकंन नहीं हुआ है। चीन की इस नापाक चाल पर भूटान ने कड़ा विरोध किया। भूटान ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताते हुए कहा, साकतेंग वन्यजीव अभयारण्य भूटान का अभिन्न और संप्रभु हिस्सा है। इस पूरे विवाद में रोचक बात यह रही कि यह वन्यजीव अभयारण्य कभी भी किसी वैश्विक फंडिंग का हिस्सा नहीं रहा है। चीन के विरोध के बाद भी काउंसिल ने प्रॉजेक्ट को अपनी मंजूरी दे दी।